(1)

BA Part II
Paper III

Q 172.8 मनोवैज्ञानिक अनुसंधान का वर्गीकरण (प्रकार) :—
174 Classification of Psychological research :—

Ans—

पहले तो मनोवैज्ञानिक अनुसंधान (शोध) के दो प्रमुख वर्ग या प्रकार भेद होते हैं —

① शुद्ध शोध (Pure research or Theoretical research) या सैद्धांतिक शोध।
② व्यवहृत शोध (अनुसंधान) (Applied research)

I शुद्ध शोध या सैद्धांतिक शोध — शुद्ध शोध ज्ञान के भण्डार में किसी नयी सूचना को जोड़ देता है। इसका मुख्य उद्देश्य तथ्य-संग्रह एवं नयी उपधारणाओं का निर्माण करना कठिन होता है। तथ्य-संग्रह को उपयोगिता की दृष्टि से नहीं किया जाता, बल्कि ज्ञान के लिए किया जाता है। इसमें शोधकर्ता प्राकृतिक घटनाओं-क्रमों को अपने अध्ययन-निरीक्षण द्वारा प्राप्त निष्कर्षों से सम्बद्ध कर देता है। वह प्रायः स्वतः कार्य करता है। अपनी समस्याएँ स्वयं ढूँढता है और उनके समाधान के लिए अन्य शोधकर्ताओं से सहायता नहीं लेता।

'शुद्ध शोध' के लिए 'सैद्धांतिक शोध' (theoretical research) 'बुनियादी शोध' (fundamental research) अथवा 'मौलिक शोध' (basic research) आदि शब्दावली प्रयुक्त होते हैं, जो पर्यायवाची है। शुद्ध शोध में शोधकर्ता का संबंध केवल प्राकृतिक घटनाक्रम (Natural phenomena) या सामाजिक व्यवस्था (Social order) किस प्रकार चल रहे हैं, इसी से रहता है। वह इन व्यवस्थाओं में कोई परिवर्तन नहीं लाता। इसमें शोधकर्ता केवल विश्व (प्रकृति) के प्रपंचों, कार्य व्यापारों को समझना चाहता है।

II ~~शोध~~ व्यवहृत शोध Applied Research :—

जब शोधकर्ता का उद्देश्य, उपयोगिता की दृष्टि से किसी व्यवहारिक समस्या का समाधान ढूँढना होता है, तो ऐसे शोधकर्ता

व्यवहृत शोध करते हैं। इसमें शोधकर्ता विज्ञान के नए तकनीकों का प्रयोग कर किसी विशेष सामयिक समस्या का समाधान करता है।

यह प्रायः किसी संस्था से संबद्ध रहता है और विशेष क्षेत्र से संबद्ध समस्या का ही समाधान ढूँढना उसका उद्देश्य होता है। शुद्ध शोधकर्ता की तरह वह स्वतः शोधकार्य नहीं करता, न वह स्वयं अपनी समस्याएँ ढूँढता है। इन कार्यों के लिए उसे अपनी संस्था पर निर्भर करना पड़ता है। सफल मनोचिकित्सा के उद्देश्य से 'आघातचिकित्सा' पर शोध कर किसी नयी तकनीक को विकसित करने वाले चिकित्सा मनोवैज्ञानिक का कार्य व्यवहृत शोध का उदाहरण है। इसी प्रकार एक औद्योगिक मनोवैज्ञानिक जो कर्मचारियों के चयन की कोई नयी तकनीक विकसित करने में लगा है अथवा एक सैन्य मनोवैज्ञानिक जो प्रभावपूर्ण प्रचार के लिए सिर फेरने की तकनीक, 'ब्रेन वाशिंग तकनीक' (Brain-washing technique) के विकास में लगा है, व्यवहृत शोध कहलाएगा।

(iii) प्रयोगात्मक शोध (Experimental research):—

प्रयोगात्मक शोध या प्रयोग (Experiment) एक सर्वोच्च वैज्ञानिक शोध-प्रणाली है, जिसमें शोधकर्ता परिवर्त्यों का स्वयं, स्वेच्छा से परिचालन करने में समर्थ होता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है, परिस्थितियों का प्रत्यक्ष नियंत्रण, जिसमें शोधकर्ता कम-से-कम एक स्वतंत्र परिवर्त्य पर अवश्य नियंत्रण रखता है तथा उसे परिचालित करता है।

मनोविज्ञान का आदर्श 'प्रयोगात्मक शोध' होता है अतः प्रयोगात्मक शोध को सर्वोच्च वैज्ञानिक शोध पद्धति मानी गयी है।

③

IV तत्पश्चात् - तत्परिणामी शोध या प्रतिगामी शोध (Ex-post Facto Research):-

पश्चात् - परिणामी शोध वह शोध है, जिसमें परिवर्त्य कार्य-शील (घटित) हो चुका होता है, शोधकर्ता किसी आश्रित परिवर्त्य या परिवर्त्यों के निरीक्षण से अध्ययन प्रारंभ करता है। तब वह स्वतंत्र परिवर्त्य का अनुनिरीक्षण करता है, जिससे आश्रित-परिवर्त्यों के रूप में प्रकट उसके प्रभावों तथा इन दोनों परिवर्त्यों के पारस्परिक संबंधों का वह पता लगा सके।

इस शोध में शोधकर्ता स्वतंत्र परिवर्त्य का नियंत्रण (control) तथा परिचालन (manipulation) नहीं कर सकता, क्योंकि यह प्राकृतिक घटना के रूप में पहले ही घटित हो चुकी होती है, अतः इसके परिणामस्वरूप प्रकट परिस्थिति (परिवर्त्यों) का ही उसे अनुनिरीक्षणात्मक अध्ययन (retrospective study) करना होता है।

इस प्रकार, 'पश्चात्- परिणामी शोध' में किसी उद्दीपक (स्वतंत्र परिवर्त्य) के पहले से कार्यशील (घटित) हो चुकने के बाद, शोधकर्ता पीछे की ओर नियंत्रण द्वारा अध्ययन करता है और ऐसी परिस्थिति का पुनर्निर्माण करता है, जो संभवतः प्रयोगात्मक परिस्थिति (स्वतंत्र परिवर्त्य) रही थी। संक्षेप में, शोधकर्ता को आश्रित परिवर्त्यों से पीछे की ओर (स्वतंत्र परिवर्त्य की ओर) अन्वेषण करना पड़ता है।

V क्षेत्रीय अध्ययन (Felid Studies):- यह इन्हें Quasi-Experimental Research अन्वेषण की एक और विधि क्षेत्रीय अध्ययन विधि (Case Study methods) इसके दो रूप या प्रकार हो जाते हैं। ① क्षेत्रीय प्रयोग (Field ~~Study~~ Experiment) ⑪ क्षेत्रीय अध्ययन (Felid study) इनको Experimental Research, Field Experiment तथा Field Study को Quasi Experimental Research कहते हैं।

क्षेत्रीय प्रयोग (Feeld Experiment):-

क्षेत्रीय प्रयोग किसी न किसी वास्तविक सामाजिक परिस्थिति के वैज्ञानिक तथा अनुभवसिद्ध (empirical)

(11)

अध्ययन की एक शोध-नीति (research strategy) है। जहाँ प्रयोगशाला-प्रयोग पूर्णतः वैज्ञानिक ढंग से नियंत्रित परिस्थिति में ही किया जाता है, वहीं क्षेत्रीय प्रयोग, अपेक्षाकृत कम नियंत्रित अथवा अनियंत्रित परिस्थिति में भी संभव हो जाता है। क्षेत्रीय प्रयोग, शोध के लिए प्रयोगकर्ता द्वारा निर्मित परिस्थिति नहीं है। फलस्वरूप, इसमें प्रयोगशाला-प्रयोग की अपेक्षा वास्तविकता (realism) अधिक रहती है।

Karlinger के अनुसार :—

क्षेत्रीय प्रयोग वास्तविक परिस्थिति में किया गया एक ऐसा अध्ययन है जिसमें प्रयोगकर्ता द्वारा एक या एक से अधिक स्वतंत्र परिवर्त्यों का सावधानी से परिचालन यथासंभव नियंत्रित परिस्थिति में किया जाता है।'

अतः क्षेत्रीय प्रयोग एक ऐसी शोध-प्रणाली है जिसमें स्वतंत्र परिवर्त्य का परिचालन प्रकृति पर नहीं छोड़ा जाता, बल्कि संपूर्ण नहीं तो आंशिक रूप से भी इसे प्रयोगकर्ता को ही परिचालित करना पड़ता है। अतः क्षेत्रीय प्रयोग का अभिकल्प उसे पहले से ही बना लेना पड़ता है।

यह प्रयोगशाला प्रयोग की तरह प्रयोगकर्ता द्वारा उत्पन्न कृत्रिम परिस्थिति नहीं होती, स्वाभाविक परिस्थिति होती है अतः इसे प्रयोगशाला प्रयोग तथा क्षेत्रीय अध्ययन (field study) के बीच की शोध नीति (research strategy) कहा जाता है।